उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/2/1
29/2/2
29/2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				खंड –'क'	
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश–**	**15**
	क	क	क	• राष्ट्रीय सुरक्षा • भारत की विकास–यात्रा (अन्य सटीक शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
	ख	ख	ख	• हम विश्व में सर्वाधिक हथियार खरीदते हैं।	1
	ग	ग	ग	• हमारी पर निर्भरता घटे और देश में हथियारों का उत्पादन अधिक हो।	1
	घ	घ	घ	• पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा आयातक होने के कारण। • अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के उत्पादन और दाम में आते उतार–चढ़ाव के कारण।	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• नदी जल का बँटवारा और हिमालय की नदी–प्रणाली के विद्युतीय सामर्थ्य का दोहन।	1

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	च	च	च	• इन्फ्रास्ट्रक्चर अर्थात् आधारभूत ढाँचा। • देश के विकास–सामर्थ्य को हासिल करने हेतु।	1+1=2
	छ	छ	छ	• सड़कों, बंदरगाहों, रेलवे, विमानन, ऊर्जा और दूरसंचार।	1
	ज	ज	ज	• हथियार खरीदना, • रक्षा विनिर्माण, • देश में हथियारों का उत्पादन • ऊर्जा के नए स्रोत।	½+½+ ½+½=2
	झ	झ	झ	• नदी जल का बँटवारा। • हिमालय की नदी प्रणाली के विद्युतीय सामर्थ्य का दोहन।	1+1=2
	ञ	ञ	ञ	• उपसर्ग – प्र • प्रत्यय – इक/ता (कोई एक प्रत्यय)	½+½=1
	ट	ट	ट	मिश्र वाक्य– राष्ट्रीय संसाधनों का बड़ा हिस्सा मौजूद है जिससे हथियार खरीदने और उनकी समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। अथवा राष्ट्रीय संसाधनों का बड़ा हिस्सा मौजूद है जिससे हथियार खरीदे जा सकें और	1

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				उनकी समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।	
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	1x5=5
	क	क	क	• नेता, शासक (राजधानी के नेतागण तथा शासकवर्ग) • कुछ और धैर्य रखो।	1
	ख	ख	ख	• सूखे व अकाल से त्रस्त • अभाव व निर्धनता से ग्रस्त।	1
	ग	ग	ग	• नेतागण, शासकवर्ग। • विकास के प्रति उपेक्षा, कुकर्मियों और धन के लुटेरों की अनदेखी।	½+½=1
	घ	घ	घ	• झूठे वायदों, शब्दों के जाल में अब न कोई फँसेगा, क्रांति होगी, तुम्हारी सत्ता जाएगी।	1
	ङ	ङ	ङ	• कर्णधारों, नेताओं की कुचालों से देश को बचाएँ अन्यथा क्रांति संभव।	½+½=1
				खंड – ख	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित–** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6	10

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				(चार बिंदुओं का प्रतिपादन) • प्रस्तुतीकरण 1 • विषयानुरूप शुद्ध भाषा 1	
4.	4.	4.	4.	**पत्र–लेखन–** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 3 • भाषा विषयानुरूप 1	5
5.	5.	6.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	1x5=5
	क	क	क	• ताज़ा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट। • रुचिकर तथा प्रभावशील।	1
	ख	ख	ख	• दृश्यों की अहमियत • देखने और सुनने का माध्यम • तात्कालिकता, प्रामाणिकता, नयापन तथा आकर्षक। (कोई दो बिंदु अनिवार्य)	½+½=1
	ग	ग	ग	• गहराई से छानबीन कर तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाना। • सामने लाने के लिए और कोई उपाय नहीं।	½+½=1
	घ	घ	घ	• सच्चाई, संतुलन, निष्पक्षता, स्पष्टता। (कोई दो का उल्लेख)।	½+½=1

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ङ	ङ	ङ	समाचार–लेखन की यह शैली है। इसके तीन भाग हैं– • इंट्रो या मुखड़ा • बॉडी • समापन	1
6.	6.	5.	6.	**आलेख अथवा फीचर–लेखन** • आकर्षक प्रस्तुति 2 • विषय वस्तु 2 • भाषायी शुद्धता 1 मुक्त उत्तर : मौलिकता और विचारों की तर्क संगति अपेक्षित।	5
				खंड – ग	
7.	7.	8.	7.	**सप्रसंग व्याख्या–** • प्रसंग 1 • संदर्भ 1 • व्याख्या 5 • विशेष/काव्य–सौंदर्य 1 काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – **यह वह विश्वास ....अखंड अपनाया।**	8

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – 'यह दीप अकेला' संदर्भ – सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति की सार्थकता तभी जब वह समाज में विलय हो। व्याख्या बिंदु – • अपनी लघुता व कमजोरियों में भी निडरता, आत्मविश्वास होना। • घृणा, अपमान और अवज्ञा की स्थिति में भी दूसरों पर पसीजना, प्रेम दर्शाने के प्रति जागरूकता। • दूसरों की रक्षा हेतु तत्पर लम्बी बाहें और अपनापन। • बुद्धिमान, श्रद्धालु होने के बावजूद एकाकी हैं अतः इनका समष्टि में विलय होना अनिवार्य। विशेष – • तत्सम शब्दावली। • दीप का प्रतीकात्मक व लाक्षणिक प्रयोग।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **अद्भुत है.........................आधा नहीं है।** कवि – केदारनाथ सिंह कविता – 'बनारस' संदर्भ – बनारस शहर के अद्भुत आलोक, बनावट और आस्था के ताने–बाने का ज़िक्र। व्याख्या बिंदु– • शाम की आरती के प्रकाश में शहर की अद्भुत बनावट। • गंगाजल, मंत्रोच्चार, पूजा के फूलों, जलती चिताओं, शंख ध्वनियों और घंटे–घड़ियाल की आवाज में यह शहर आधा डूबा। • शेष आधे शहर का मानो कोई अस्तित्व नहीं। विशेष– • भाषा में सरलता एवं प्रवाह। • 'आधा' शब्द के बार–बार प्रयोग से भाव में गंभीरता। • 'और आधा' में अनुप्रास अलंकार। • लाक्षणिक प्रयोग। • उत्कृष्ट बिम्ब प्रयोग।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
8.	8. क	 —	 —	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—** अगहन मास— • दिन छोटे और रातें बड़ी.........नायिका का विरह कटना दूभर। • दीपक की बत्ती के समान जलना। • भँवरों और काग से अपना संदेश भिजवाना। पूस मास— • नायिका का थर–थर काँपना। • विछोह में चकवा–चकई के समान। • विरह रूपी बाज से त्रस्त। • शरीर शंख के समान अर्थात निष्प्राण। माघ मास— • पाला पड़ना। • हवा का बहना। • आँसुओं का निरन्तर बहना। • शरीर तिनके के समान क्षीण। फागुन मास— • शीत पवन के झकोरे। • सभी का फाग खेलना किंतु नायिका के तन का जलकर राख होना। • पवन से निवेदन कि राख प्रिय तक	3+3=6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				ले जाए। (इन चारों मासों में से किन्हीं तीन महीनों का वर्णन अपेक्षित।)	1+1+1
	ख	–	–	• राम के बचपन के नन्हें धनुषबाण तथा जूतियाँ देख माँ की व्याकुल दशा। • राम को जगाने का अभिनय कर स्मृतिजन्य वात्सल्य भाव में डूबना। • सहसा वन – गमन की बात याद आते ही माँ का चित्रलिखित तथा निर्जीव–सा हो जाना। • मयूरी की भाँति स्नेह भाव में डूबना।	3
	ग	–	–	कवि ने ऐसे समय का वर्णन किया जब– • मानव का हाहाकार करना। • लुटेरों द्वारा जीवन संबल एवं मूल्यों का लूटना। • जिजीविषा का खत्म होना। • विषम परिस्थितियों में भी लोगों की वेदना तथा पीड़ा रोकने हेतु कवि का प्रेरणा गीत गाना।	3
	–	9. क	–	बनारस की पूर्णता– • वसंत के आने पर लोगों के मन में उल्लास भरना। • गंगा तट पर किसी न किसी पर्व	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				पर भारी भीड़। • श्रद्धालुओं का दूर–दूर से आकर पूजा, अर्चना, स्नान, दान तथा विश्वनाथ के दर्शन करना। रिक्तता– • हर रोज़ लोगों का अपने कंधों पर शवों को गंगा की ओर ले जाना और विसर्जन करना।	3
	–	ख	–	• पुत्री 'सरोज' ही कवि का एक मात्र जीवन संबल। • पुत्री की मृत्यु ने कवि हृदय को झकझोर दिया। • कवि का अपनी असीम व्यथा के प्रति सदा मौन रहना। • 'दुख ही जीवन की कथा रही' – इस पंक्ति रूपी गागर में दुख का सागर भर दिया। • विगत के समस्त पुनीत कर्मों को अर्पित कर पुत्री का तर्पण करना।	3
	–	ग	–	• राम का अपराधी पर भी क्रोध न करना। • भरत पर उनकी विशेष कृपा तथा स्नेह। • भरत को खेल में राम का सहयोग।	

collegedunia
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• हारने पर भी उन्हें जिताना। • भरत का भी प्रेम तथा संकोचवश उनके सामने कभी मुँह न खोलना। • भरत के नेत्र राम दर्शन के निरन्तर प्यासे।	3
	–	–	8. क	प्राकृतिक सौंदर्य– • सर्वत्र प्रातःकालीन नैसर्गिक सौंदर्य। • ताज़े खिले कमल दल पर तरु–शिखाओं का नृत्य करना। • प्रातःकालीन सूर्य की किरणों का सिंदूर की भाँति प्रतीत होना। • रंग–बिरंगे सुंदर पंखों वाले विदेशी पक्षियों का उड़कर यहाँ आना। सांस्कृतिक विशेषताएँ– • यहाँ के निवासियों में सत्य–अहिंसा और करुणा का भाव। • विदेशी तथा अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय देना। • लोगों में दया, प्रेम और अपनत्व की भावना।	3
	–	–	ख	• हमारा प्रकृति से रागात्मक संबंधों का टूटना। • हम प्रकृति के परिवर्तनों से निरपेक्ष बने अपने कार्यों में व्यस्त।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• मनुष्य आत्मपरक एवं भावहीन। • प्रकृति के परिवर्तनों को कैलेंडर और दफ़्तर की छुट्टी से जान पाना। • टूटते जा रहे प्रकृति के सान्निध्य को पुनः स्थापित करना आवश्यक।	
	–	–	ग	• हनुमान का समुद्र लंघन किंतु रावण से लक्ष्मण रेखा भी पार न होना। • रावण का हनुमान को बाँध न पाना, राम की सेना से समुद्र का बँधना। • रावण हनुमान की पूंछ को न जला सके पर हनुमान ने लंका जला दी। • श्री राम के सामने रावण का बल और प्रताप बहुत कम है। अतः सीता जी को वापस भेजने का अनुरोध।	
9.	9.	7.	9.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य –** भाव पक्ष – 1 शिल्प पक्ष – 2	**3+3=6**
	क	क	क	**हेम – कुंभ ....भर तारा।** भाव – सौंदर्य : • प्राकृतिक सौंदर्य का अत्यंत मनोहारी चित्रण।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				शिल्प – सौंदर्य : • 'उषा' का मानवीकरण। • जब – जगकर – अनुप्रास अलंकार। • तत्सम शब्दों का प्रयोग, संस्कृतनिष्ठ भाषा। • चित्रात्मकता, कोमलकांत पदावली। • 'हेम–कुंभ' में विशेषण–विशेष्य संबंध।	
	ख	ख	ख	**पुलकि .... मैं काहा।** भाव–सौंदर्य : • राम के प्रति भरत की श्रद्धा तथा प्रेम भाव। शिल्प–सौंदर्य : • 'नीरज नयन नेह' तथा 'मोर मुनिनाथ' में अनुप्रास अलंकार। • नीरज नयन – रूपक अलंकार। • छंद–चौपाई। • भाषा – अवधी, तत्सम शब्दों का प्रयोग।	
	ग	ग	ग	**इस पथ पर..................तेरा तर्पण।** भाव–सौंदर्य – • पिता 'निराला' का पुत्री–निधन पर व्यथा, लाचारी तथा विवशता का मूर्त	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				रूप।	
				शिल्प – सौंदर्य – • 'शीत के – से शतदल' में उपमा अलंकार। • 'कर करता', 'तेरा तर्पण' – अनुप्रास अलंकार। • तत्सम शब्द, खड़ी बोली व सरल भाषा। • करुण एवं वात्सल्य रस का मिश्रण।	
10.	10.	11.	10.	**गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या–** प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 4 **मैं तो केवल.............संन्यास ले लिया।** पाठ – कच्चा चिट्ठा लेखक – ब्रजमोहन व्यास संदर्भ – लेखक का श्रम कौशल और अथक प्रयासों से इलाहाबाद में एक विशाल एवं भव्य संग्रहालय स्थापित कर सुयोग्य व्यक्ति को सौंपना।	6

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				व्याख्या बिंदु – • धन, भूमि, पुरातत्व वस्तुओं का संग्रह आदि की पृष्ठभूमि के पीछे लेखक का श्रम, कौशल व प्रयास। • संग्रहालय की स्थापना व विकास – पुत्र के समान करना। • संग्रहालय के संचालन व विकास हेतु डॉ. सतीश चंद्र काला को संग्रहालय सौंपना। • संग्रहालय से संन्यास ले लेना लेखक की महानता दर्शाता है।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **मनुष्य जी रहा.....................गलत है।** पाठ – 'कुटज' लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ – जीवन के प्रति दृष्टिकोण – दूसरों को सुख देकर भी अभिमान न करना। व्याख्या बिंदु – • मनुष्य का इतिहास – विधाता की योजना के अनुसार केवल जीना। • सुख मिले या न मिले पर उसे अभिमान न हो।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• मैं दूसरों को सुख–दुख दे रहा हूँ – यह अभिमान करना गलत है।	
11.	11			**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	**4+4=8**
	क	–	–	• मंसा देवी मंदिर की मान्यता है कि मनोकामना पूरी करने हेतु मौली की गाँठ बाँधना। • पारो का भी संभव से मिलने हेतु गाँठ बाँधना। • दोनों की हार्दिक इच्छा कि वे एक–दूसरे को मिल जाएँ। • संभव के गाँठ बाँधते ही मंदिर से लौटते हुए उसे पारो का दिखाई देना।	
	ख	–	–	• साहित्य से थके हुए मनुष्य को आराम और शांति का मिलना निश्चित। • नायक और महान व्यक्तियों के संघर्षों, आदर्शों तथा चरित्र के अन्य उदात्त गुणों को स्वयं में विकसित करने की भावना का बलवती होना।	
	ग	–	–	• 'आधुनिक भारत के नए शरणार्थी अर्थात् वे लोग जो औद्योगिकरण की आँधी में अपने घर–बार और ज़मीन से उखाड़ दिए गए।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• पलायनवादी होने की मज़बूरियाँ। • शहरों की गंदी बस्तियों और स्लम्स में रेलवे स्टेशनों के चारों ओर रहने की विवशता। • उनकी महिलाओं को सड़क पर पत्थर तोड़ने तथा अन्य मज़दूरी–क्षेत्रों में कार्य करने के लिए विवश होना।	4
	–	12 क	–	'सुमिरिनी के मनके' में तीन लघु निबंध • 'बालक बच गया', 'घड़ी के पुर्ज़े' एवं 'ढेले चुन लो'। (तीनों में से किसी एक का मुक्त उत्तर संभव।) अच्छा लगने के दो कारणों की समीक्षा। जैसे– 'बालक बच गया' के संभावित बिंदु– • लेखक का अपने समय की शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों की मानसिकता पर व्यंग्य। • हमें बच्चे पर शिक्षा को लादना नहीं चाहिए। • बच्चे द्वारा पुरस्कार में लड्डू माँगना, उसके बचपन की स्वाभाविक प्रवृत्ति का परिचायक।	2+2

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	–	ख	–	हरगोविंद द्वारा सहे गए शारीरिक कष्ट– • घर से स्टेशन तक धूप में पैदल जाना। • लौटते समय कटिहार से जलालगढ़ 20 कोस की दूरी किराए के अभाव में पैदल तय करना। • थकावट के कारण घर पहुँचते ही बेहोश हो जाना। मानसिक कष्ट– • गाड़ी पर सवार होने के बाद बड़ी बहुरिया के दुखभरे संवाद मन में काँटे के समान लगना। • बड़ी बहुरिया के मायके पहुँचकर भूख व नींद न आना। • क्योंकि बड़ी बहुरिया को अपने गाँव की इज़्ज़त व लक्ष्मी मानना।	2+2
	–	ग	–	• 'पांचजन्य' श्री कृष्ण के शंख का नाम। • साहित्य के 'पांचजन्य' का अभिप्राय कवियों के लिए है कि वे अपने लेखक – कार्य में जुट जाएँ। • साहित्यकार अपने इस लेखन कार्य से समाज में आमूल–चूल परिवर्तन ला दें। प्रेरणा– • मनुष्य को कर्मरत रहने की प्रेरणा।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• जीवन में गति, 'निरन्तर आगे बढ़ो, रुको मत' – की प्रेरणा।	4
	–	–	11 क	• बचपन से ही घरेलू परिवेश के कारण भाषा के प्रति रुझान। • पिता द्वारा नियमित रूप से रामचरितमानस, रामचंद्रिका तथा भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक सुनाना। • हिन्दी के नूतन साहित्य की ओर झुकाव। • 'भारत जीवन प्रेस' की पुस्तकें पढ़ने के साथ–साथ केदारनाथ अग्रवाल के पुस्कालय से पुस्तकें लाकर पढ़ना।	4
	–	–	ख	स्रष्टा का अर्थ– • रचयिता अर्थात् साहित्य का निर्माण। • निर्माण करते समय देश, काल, परिस्थिति, वातावरण, भाषा, विषय को ध्यान में रखना। • सारे समाज की संतुष्टि हेतु सोच–समझ कर लिखना अनिवार्य। द्रष्टा का अर्थ– • देखने वाला अर्थात् समाज को देखने वाला। • साहित्यकार द्वारा समाज में घटित	

*These answers are meant to be used by evaluators

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				घटनाओं को अपना विषय बनाना। • यथार्थ के साथ–साथ आदर्श रूप तथा अपने भावों की संवेदना व कल्पनाओं को भी अभिव्यक्त करना। • साहित्यकार अतीत के साथ–साथ वर्तमान और भविष्य में भी दृष्टि रखें।	4
	–	–	ग	• शरत्चंद्र के उपन्यास 'देवदास' में भी पारो तथा देवदास नाम हैं। • 'दूसरा देवदास' कहानी में यही नाम, और दोनों का प्रेम प्रसंग भी निश्छल व निःस्वार्थ तथा जीवन का प्रथम प्रेम। • देवदास पात्र एक भोला भाला युवक। • विचित्र प्रेम सूत्र में बँधा जिसका उसे स्वयं भी भान न था। • मंदिर के पुजारी के मुख से निकले आशीर्वाद के वचनों को देवदास ने जीवन में उतारा।	4
12.	12.	10.	12.	**<u>जीवन परिचय–</u>** अंक विभाजन– क. जीवन परिचय 2 ख. रचनाओं का नामोल्लेख 2 ग. साहित्यिक विशेषताएँ 2	6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				असगर वजाहत जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में। • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम.ए. (हिन्दी) और पीएच.डी., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से की। • सन् 1955–56 से लेखन कार्य प्रारंभ किया। • लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ–साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पटकथा लेखन का काम भी किया। रचनाएँ– 'दिल्ली पहुँचना है', 'स्विमिंग पुल और सब कहाँ कुछ', 'आधी बानी', 'मैं हिंदू हूँ' (कहानी संग्रह), 'फिरंगी लौट आए', 'इन्ना की आवाज', 'वीरगति', 'समिधा', 'जिस लाहौर नई देख्या तथा उनकी' (नाटक), 'सबसे सस्ता गोश्त' (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह), 'रात में जागने वाले', 'पहर दोपहर' तथा 'सात आसमान', 'कैसी आगि लगाई' (प्रमुख उपन्यास) आदि।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				भाषा–शैली की विशेषताएँ– • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है। • मुहावरों तथा तद्भव शब्दों के प्रयोग से सादगी आ गई है। • उनकी लघुकथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम व उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **<u>ममता कालिया</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • मथुरा, उत्तर–प्रदेश में जन्म। • नागपुर, पुणे, इंदौर आदि से शिक्षा। • अंग्रेजी विषय से एम.ए., दिल्ली विश्वविद्यालय • भारतीय भाषा परिषद्, कलकत्ता की निदेशक रहीं। रचनाएँ – बेघर, प्रेम कहानी, लड़कियाँ, दौड़, एक पत्नी के नोट्स आदि।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				भाषा–शैली – • विषय के अनुरूप सहज अभिव्यक्ति। • व्यंग्य की सटीकता एवं सजीवता से अनोखा प्रभाव। • सरल एवं सुबोध एवं मार्मिक अभिव्यक्ति। • संवादों में गतिशीलता एवं चित्रात्मकता। **अथवा** **<u>केदारनाथ सिंह</u>** • जन्म सन् –1934, उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में। • शिक्षा – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. तथा पीएच.डी. • दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर। रचनाएँ – 'अभी बिलकुल अभी', 'अकाल में सारस', 'कल्पना और छायावाद', 'मेरे समय के शब्द', 'प्रतिनिधि कविताएँ' आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • कविताओं में विद्रोह का शांत और संयत स्वर।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• बिम्ब प्रधान भाषा। • सहज, सरल और बोलचाल वाली खड़ी बोली। • तद्भव, देशज शब्दों का प्रयोग। **अथवा** **विद्यापति** जन्म एवं जीवन परिचय – • बिहार के मधुबनी जिले के बिस्पी गाँव में। • विद्यापति मिथिला नरेश राजा शिवसिंह के अभिन्न मित्र, राजकवि व सलाहकार थे। • कुशाग्र बुद्धि एवं तर्कशील। • साहित्य, संस्कृति, संगीत, ज्योतिष इतिहास आदि के विद्वान। • संस्कृत, अपभ्रंश तथा मैथिली भाषा में रचना। रचनाएँ– 'कीर्तिलता', 'कीर्तिपताका', 'पुरुष–परीक्षा', 'भू–परिक्रमा', 'पदावली' आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • आदिकालीन प्रवृत्तियों में प्रमुख दरबारी संस्कृति का चित्रण।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• लोक व्यवहार एवं सांस्कृतिक अनुष्ठानों का चित्रण। • पद लालित्य, मानवीय प्रेम एवं गम्भीर चिंतन की अभिव्यक्ति। • विचार प्रधान एवं व्यक्ति व्यंजक निबंधों को प्रकट करने वाली भाषा। • मिथक एवं संस्कृत श्लोकों से उदाहरण आदि।	
13.	13.	14.	13.	• 'सूरदास की झोंपड़ी' में भैरों, सुभागी और सूरदास – इन तीनों का सह संबंधों का चित्रण। • भैरों सुभागी का पति और सूरदास का पड़ोसी। • भैरों के क्रोध और पिटाई से बचने हेतु ही सुभागी का रातभर सूरदास की झोंपड़ी में रहना। • बदला लेने की भावना से भैरों का झोंपड़ी को जलाना और पैसों की पोटली का चुराना – कहानी का केंद्र बिंदु बना। • इसी केंद्र बिंदु के इर्द–गिर्द सूरदास का चरित्र गांधीवादी एवं आदर्शोन्मुख हुआ। • दुश्मन बने भैरों से भी सूरदास का बदला न लेना उसके जीवन का आदर्श बना।	5

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• धन–संचय को पाप मानना, चुराई गई पोटली अर्थात् आर्थिक हानि की समाज में चर्चा न करना। • सूरदास के मन में पुनर्निर्माण की भावना, आशावादी विचार इस वाक्य में दर्शित हुआ – 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे।' • पति द्वारा मार खाकर भी सुभागी का अपने घर लौटना एक आदर्श भारतीय नारी का परिचायक बना। अतः सूरदास अपने आदर्शों, जीवन–मूल्यों के कारण जीवन का सच्चा खिलाड़ी।	
	13. अथवा	14. अथवा	13. अथवा	**अथवा** जीवन और जीवन–मूल्यों की रक्षा के लिए भूपसिंह का संघर्ष– • भूस्खलन में माता–पिता के बचाने का प्रयत्न। • भूस्खलन के पश्चात् मलबे का साफ कर पहाड़ों को खेती योग्य बनाना। • सिंचाई के लिए पहाड़ों को काटकर सूपन नदी का पानी लाना। • माता–पिता के स्मृति चिह्न को न छोड़ने की भावना तथा पुनर्निर्माण की हिम्मत से ही पहाड़ों पर टिके रहना।	5+5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• कठोर परिश्रम के कारण ही उसके सामने रूपसिंह बौना पड़ गया और वह उसे मफ़लर से बाँधकर ऊपर लेकर गया। • मुश्किलों तथा त्रासदियों को झेलना तथा विषम परिस्थितियों का मुँह तोड़ जवाब देना ही जीवन–मूल्यों की रक्षा है।	
14.	14. क	13. क	14. क	**दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** बरसात में प्रकृति और ग्रामीण जीवन– • बारिश सीधे नहीं, गर्जन–तर्जन करते हुए बादलों के घिरने पर ही आती है। • बारिश के आते ही मानव, पशु–पक्षी, प्रकृति आदि सब आनन्दित। • निरन्तर कई दिनों की बारिश के कारण कीड़े–मकोड़े, जीव–जंतु परेशान, छप्परों का उड़ जाना। • वनस्पतियों का खिलना, बिस्कोहर की धरती, सिवान, आकाश, दिशाएँ, तालाब आदि का निखरना। बरसात के बाद– • संपूर्ण गाँव में कीचड़ बदबू का साम्राज्य। • जलावन अर्थात् सूखे ईंधन की भारी	**5+5=10**

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				किल्लत। • लोगों को शौच के लिए स्थान न मिलना। • हरी–भरी घास व वनस्पति से गाँव का सौंदर्य बढ़ना।	
	ख	ख	ख	• आज के नियोजकों और इंजीनियरों द्वारा तालाबों, नदियों को गाद से भरना। • स्वार्थ हेतु ज़मीन के पानी को पाताल से भी निकालना। • नदी–नालों का सूखना। • कार्बन डाइआक्साइड गैसों ने धरती के तापमान को तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ा दिया। • परिणामस्वरूप गर्मी का बढ़ना, अकाल, जल–प्लावन, पर्यावरणीय असंतुलन तथा ऋतु चक्र बिगड़ना, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, असाध्य रोगों का प्रकोप।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com
India's largest Student Review Platform